

कोयला

- ◆ प्रदेश के उत्तरी क्षेत्र में गोडवाना क्रम के चट्टान में पायी जाती है।
- ◆ काला हीरा की संज्ञा दी जाती है।
- ◆ प्रदेश में बिटुमिनस प्रकार के कोयला मिलता है।
- ◆ प्रदेश के खनिज राजस्व आय में कोयला की सर्वाधिक योगदान होती है।
- ◆ कोयला सर्वाधिक मूल्य खनिज (द्वितीय लोहा)

प्रदेश में कोयले की स्थिति (2015 - 2016 के अनुसार)

- ◆ देश में कोयला उत्पादन की दृष्टि से छ.ग. का स्थान - पहला
- ◆ देश में कोयला भण्डारण की दृष्टि से छ.ग. का स्थान - तीसरा
- ◆ छ.ग. में कोयला का सर्वाधिक उत्पादन वाला जिला - कोरबा (सर्वाधिक कोयला भण्डारण वाला जिला - कोरबा, रायगढ़)
- ◆ छ.ग. में कोयले का उत्पादन - 20.43 प्रतिशत [CG PSC (ACF)2016], [CG PSC (Engg.) 2015]
- ◆ छ.ग. में कोयले का भण्डारण प्रतिशत - 17.45 प्रतिशत [CG PSC (Pre) 2015]
- ◆ भारत का सबसे बड़ा यांत्रिकृत कोयला खान - मुकुन्दघाट (कोरबा) (मशीनीकृत - कोरबा) [CG PSC (ARO) 2014]
- ◆ दक्षिण-पूर्व कोयला क्षेत्र का मुख्यालय (SECL) - विलासपुर [CG PSC (Librarian) 2014]

विशेष:-

- ◆ छ.ग. में कोयला उत्खनन की सर्वप्रमुख कम्पनी SECL जिसकी स्थापना 1987 में की गई थी इसका मुख्यालय विलासपुर में स्थित है। [CG PSC (MI) 2014]
- ◆ हसदेव घाटी रामपुर कोयला क्षेत्र विलासपुर से सरगुजा तक है। [CG PSC (ARO, APO) 2014]
- ◆ छ.ग. का सर्वाधिक कोयला उत्पादक जिला कोरबा है। [CG PSC (ASST. Professor) 2009]
- ◆ छ.ग. की सबसे बड़ी भूमिकृत कोयला खदान कोरबा जिले में है। [CG Vyapam (Naap taul Insp.) 2007]
- ◆ छ.ग. में अर्धकोकीन (Semieocing) कोयला क्षेत्र - सोनहट (कोरिया) [CG PSC (ADPPO) 2013]
- ◆ छ.ग. में 2012-13 में गौड़ खनिज उत्पादन 43,904 लाख रु. था। [CG PSC (Pre) 2015]
- ◆ 2011-12 में छ.ग. राज्य में कुल खनिज राजस्व में गौड़ खनिज का प्रतिशत - 3.82% [CG PSC (Engg.) 2015]

खनिज	प्राप्त चट्टान स
1. कोयला	गोडवाना क्रम
2. लोहा	धारवाड़ शैल क्रम
3. हीरा	किम्बरलाईट
4. घूना, डोलोमाईट	कडप्पा शैल समूह
5. बॉक्साइट	दक्कन ट्रैप
6. टिन	कैसेटेराईट

प्रमुख कोयला क्षेत्र



लौह अयस्क

- ◆ प्रदेश के दक्षिण भाग में धारवाड़ क्रम के चट्टान से प्राप्त किया जाता है।
 - ◆ प्रदेश का लोहा मुख्यतः हेमेटाइट प्रकार का है।
 - ◆ प्रदेश के खनिज राजस्व में लोहा की द्वितीयक भूमिका होती है।
 - ◆ लोहा द्वितीयक मूल्य की धातु है।
 - ◆ देश में लौह उत्पादन की दृष्टि से छ.ग. का स्थान - दूसरा
 - ◆ देश में लौह भण्डारण की दृष्टि से छ.ग. का स्थान - तीसरा
 - ◆ लौह अयस्क उत्पादन का प्रतिशत - 22.8 प्रतिशत
 - ◆ लौह अयस्क भण्डारण का प्रतिशत - 18.67 प्रतिशत
 - ◆ भारत में सबसे बड़ी मशीकृत लौह अयस्क का खान बैलाडीला(दंतेवाड़ा) में स्थित है। [CG PSC (RDO) 2014]
 - ◆ दंतेवाड़ा - यहां प्रदेश का सबसे शुद्ध लौह अयस्क की प्राप्ति का क्षेत्र बैलाडिला स्थित है। जहाँ सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी NMDC द्वारा लौह अयस्क का उत्खनन किया जा रहा है। जिसे जगदलपुर विशाखापट्टनम् मार्ग से जापान को निर्यात किया जाता है। [CG PSC (LIB.) 2014]
 - ◆ NMDC की पहली इकाई वर्ष 1968 में किरन्दुल में स्थापित की गई थी। [CG PSC (ADI) 2017]
- [CG PSC (Librarian) 2014], [CG Police (SI) 2012], [CG PSC (ABEO) 2014]

विशेष :-

- ◆ वालोद जिले के दल्लीराजहरा खान से भिलाई इस्पात संयंत्र को लौह अयस्क की आपूर्ति की जाती है।
- ◆ छ. ग. में NMDC की तीन इकाईयाँ संचालित हैं-
 1. किरन्दुल (1968), 2. बघेली (1980) 3. बैलाडिला (1988)
- ◆ छ.ग. में लोहा खनन का कार्य राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC) द्वारा किया जाता है।
- ◆ छ.ग. की प्रथम लौह अयस्क का खान किरन्दुल (1968) में किया गया। [CG PSC (ABEO) 2014]

प्रमुख लौह अयस्क क्षेत्र



चूना पत्थर

- ◆ यह खनिज छ.ग. के मध्य भाग में कड़प्पा क्रम की शैल समूह में पायी जाती है।
- ◆ यह सीमेंट उद्योग का कच्चा माल है।
- ◆ छ.ग. में भारत के चूना पत्थर का भण्डारण प्रतिशत - 5.15 प्रतिशत
- ◆ छ.ग. में चूना पत्थर का उत्पादन प्रतिशत - 8.03 प्रतिशत
- ◆ राज्य का अखिल भारतीय स्तर पर उत्पादन स्थान - सातवाँ
- ◆ अखिल भारतीय स्तर पर मूल्य योगदान - 9.06 प्रतिशत
- ◆ चूना पत्थर का सर्वाधिक उत्पादन बलौदाबाजार (झिपनकरही) जिले में होता है।
- ◆ चूना पत्थर डोलोमाइट खनिज का अयस्क है।
- ◆ कड़प्पा कम अवसादी प्रकार का चट्टान है।
- ◆ छत्तीसगढ़ में सीमेंट ग्रेड का चूना पत्थर अधिकांशतः छत्तीसगढ़ के मैदान में पाये जाते हैं।

[CG PSC (Pre) 2014
[CG Vyapam (FCPR) 2014
[CG Vyapam (FCPR) 2014



बॉक्साइट

- राज्य में बॉक्साइट पाठ प्रदेशों के दक्कन ट्रैक या खेदार की चट्टानों में पायी जाती है।
- यह एल्यूमिनीयम का प्रमुख अयस्क है। जो मैनपाट(सलगुजा) क्षेत्र में पाया जाता है। [CG Vyapam (FCPR)2016]
- अखिल भारतीय स्तर पर भण्डारण में प्रतिशत - 4.5 प्रतिशत
- अखिल भारतीय स्तर पर उत्पादन में प्रतिशत - 7.04 प्रतिशत
- अखिल भारतीय स्तर पर उत्पादन में स्थान - पाँचवा



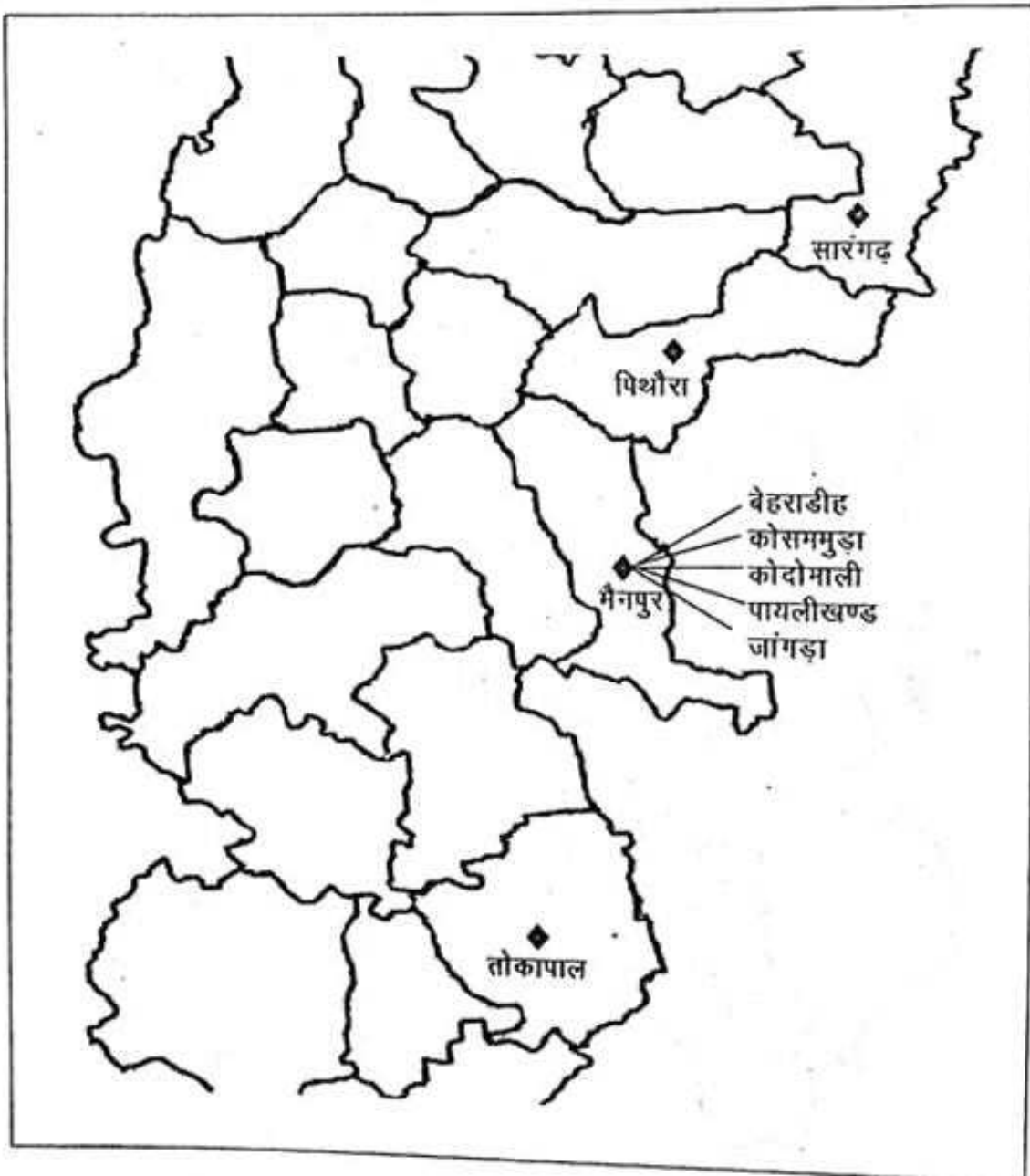
हीरा

- ◆ छ.ग. में हीरा किम्बरलाईट की चट्टान से प्राप्त होता है।
- ◆ यह कार्बन का अपररूप है। जोकि पूर्ण आंतरिक परावर्तन के सिद्धांत पर कार्य करती है।
- ◆ प्रदेश में यह मुख्यतः गरियाबंद जिले से प्राप्त होता है।
- ◆ बस्तर जिला के तोकापाल क्षेत्र में पाया जाता है।
- ◆ 2009 के अनुसार हीरामण्डार में छ.ग. का योगदान 28.02 प्रतिशत है।
- ◆ देवभोग में किम्बरलाईट की चट्टान से हीरा पाया जाता है।

[CG PSC (Pre)-2011] [CG Vyapam (LOI)-2013]

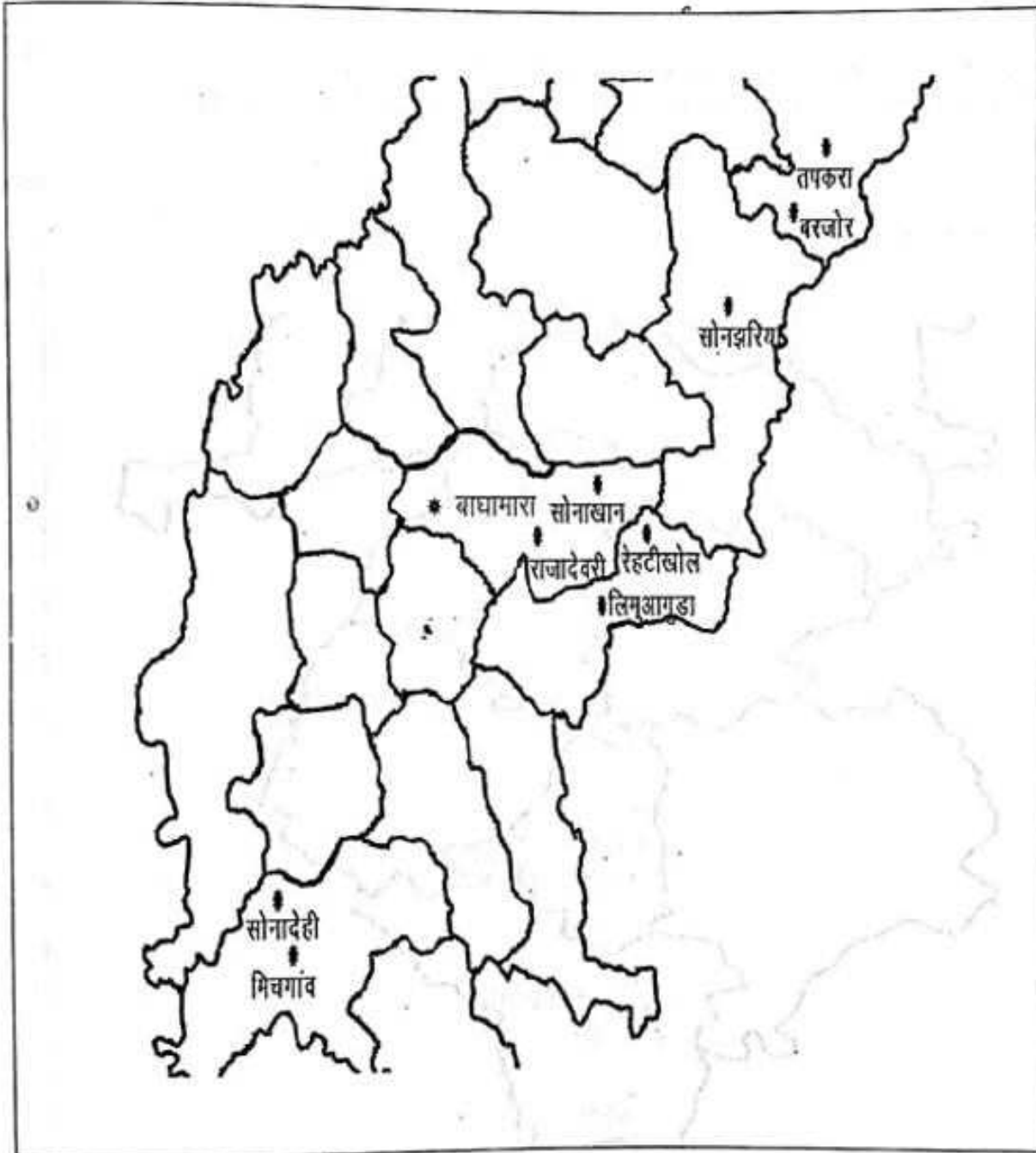
[CG PSC (Engg.)-2015]

[CG Vyapam (Asst. Man.)-2013]



सोना

- ♦ देश में सोने की खान पहली निलामी छ.ग. में की गई। (छ.ग. में बलीदाबाजार के सोना खदान के बाघमारा की हुई।)
- ♦ प्रदेश के तीन नदियों – ईव, आग्नेर व शबरी के रेत में सोने के कण पाये जाते हैं।



टिन

- ♦ यह एक सामरिक महत्व का खनिज है जो कैसेटेराईट नामक चट्टान से प्राप्त होता है।
- ♦ टिन के उत्पादन भण्डारण में प्रदेश का संपूर्ण भारत में पहला स्थान है।
- ♦ प्रदेश में इसका भण्डारण राष्ट्रीय औसत का 37.69 प्रतिशत है।
- ♦ भारत में एकमात्र टिन उत्पादक राज्य छ.ग. है।

[CG Vyapam (E Chem.) - 2013]
 [CG Vyapam (FI) - 2013]
 [CG Vyapam (FSO) - 2012]
 [CG PSC (Mains) - 2011]
 [CG PSC (Pre) - 2013]

नोट:-

- ♦ टिन रिसर्च सेंटर - रायपुर (यह BARC के द्वारा स्थापित किया गया अनुसंधान केन्द्र है)
- ♦ छ.ग. में टिन का उत्पादन छ.ग. मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (CMDC) के द्वारा किया जा रहा है।



एलेक्जेंड्राइट

- ◆ यह खनिज रूस के साईबेरिया क्षेत्र के अतिरिक्त भारत में केवल छ.ग. में पाया जाता है। गरीबों का अभिशपित रत्न कहलाता है।
[CG Vyapam (LOI) - 2015]

कोरण्डम

- ◆ बीजापुर में भोपालपट्टनम, कुचनुर, धंगोल, उसूर में पाया जाता है।
- ◆ सुकमा - सोनाकुनार
- ◆ कोरण्डम कटिंग एवं पालिसिंग सयंत्र बस्तर में स्थापित किया गया है।
- ◆ कोरण्डम (Al_2O_3) दुसरा सबसे कठोर धातु है। इससे एल्युमिनियम भी प्राप्त किया जाता है।

यूरेनियम

- ◆ राजनांदगांव - भण्डारीटोला
- ◆ सुरजपुर - प्रतापपुर
- ◆ नवीनतम रायगढ़ में भी है।

प्रमुख एलेक्जेंड्राइट, कोरण्डम एवं यूरेनियम क्षेत्र



डोलोमाईट

[CGPSC (MI)-2018]

- ◆ डोलोमाईट कड़प्पा शैल समूह से प्राप्त होता है।
- ◆ यह मैग्नीशियम का अयस्क है।
- ◆ भारत के कुल भण्डारण में छ.ग. का प्रतिशत - 11.24 प्रतिशत है।
- ◆ भारत के कुल उत्पादन में छ.ग. का योगदान 39.20 प्रतिशत है।
- ◆ अखिल भारतीय स्तर पर छ.ग. का डोलोमाईट उत्पादन में स्थान - प्रथम

अभ्रक

[CG Vyapam (FI)-2018]

- ◆ विद्युत क्षेत्र में वायर कटींग टिन में प्रयोग किया जाता है।

ग्रेफाइट

- ◆ यह कार्बन का अपर रूप है।

गारनेट

- ◆ गरियाबंद - लाटपारा, गोहेकला, धुमकोट में पाया जाता है।

फलोराइड

- ◆ महासमुंद - घुराकुटा, कुकुरमुत्ता, घाटकछार,
- ◆ राजनांदगांव - चांदीडोंगरी में फलोराइड पाया जाता है।

[CG Vyapam (PDO)-2018]

क्वार्टजाइट

- ◆ राजनांदगांव में अमलीडीह, बोरतालाव में पाया जाता है।
- ◆ संगमरमर - बस्तर जिला में

[CGPSC (EAP)-2018]

- ◆ छ.ग. में खनिज भण्डारण की दृष्टि से (घटते क्रम में)
 1. कोयला (52,169 मिली टन)
 2. टिन अयस्क (14,444 मिली टन)
 3. चूना (10,228 मिली टन)
 4. लौह अयस्क (2,731 मिली टन)
 5. डोलोमाइट (847 मिली टन)
- ◆ छ.ग. में खनिज उत्पादन की दृष्टि से (घटते क्रम में)
 1. कोयला 2. लौह अयस्क 3. चूना 4. बाक्साइट
- ◆ छ.ग. के जिले राजस्व प्रदान करने की दृष्टि से (घटते क्रम में)
 1. कोरबा 2. दंतवाड़ा 3. बालौद 4. रायगढ़

18

छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास केन्द्र

राज्य में स्थापित औद्योगिक विकास क्षेत्र

जिला	स्थापित औद्योगिक क्षेत्र
● सरगुजा	गंगापुरखुर्द, नयनपुर-गिरिवरगंज [CG PSC (Pre) 2015]
● रायगढ़	लारा, ओ पी जिंदल [CG PSC (Pre) 2016]
● जांजगीर-चांपा	कॉपन
● बिलासपुर	अंजनी, बेलगहना, तिफरा, सिरगिट्टी, सिलपहरी, दगोरी [CG Vyapam (AMIN) 2017], [CG PSC (Pre) 2015], [CG PSC (Pre) 2016]
● कवर्धा	हरिलछपरा
● राजनांदगांव	जोरा तराई, ईदावानी, टेडेसरा, पवनतल्ला, विजयतल्ला, महरूमखुर्द
● दुर्ग	बोरई [CG PSC (Pre) 2013], [CG PSC (Pre) 2015]
● रायपुर	सिलतरा, उरला, भनपुरी, रांवगाठा, तिल्दा, तेन्दुआ, बरतोली, आमासिवनी [CG PSC (Pre) 2015]
● महासमुंद	बिरकोनी [CG PSC (Pre) 2015]
● गरियाबन्द	बेलदुकरी
● धमतरी	श्याम तराई
● दंतवाड़ा	टेकनार
● बलौदाबाजार	औरेठी (प्रस्तावित)

(स्रोत - आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17, पेज - 149)

एकीकृत अधोसंरचना विकास केन्द्र (IIDC)

परियोजना का नाम	विशेष
1. नयनपुर-गिरिवरगंज (सरगुजा)	यह गिरिवरगंज क्षेत्र में स्थित है। [CG PSC (Pre) 2015]
2. कापन (जांजगीर-चाम्पा)	
3. तिफरा (बिलासपुर)	(सबसे बड़ा एकीकृत अधोसंरचना विकास केन्द्र 57 हेक्टेयर) [CG PSC (Pre) 2015]
4. बिरकोनी (महासमुंद)	[CG PSC (Pre) 2015]
5. हरिनछपरा (कवर्धा)	
6. बरतोली (तिल्दा) रायपुर	
7. तेन्दुआ (रायपुर)	

(स्रोत - आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17, पेज - 149)

इस क्षेत्र का निर्माण CSIDC - 7 अप्रैल 2001 द्वारा
Chhattisgarh State Industrial Development Co-operation

मध्यप्रदेश

उत्तरप्रदेश

झारखण्ड

महाराष्ट्र

ओडिशा

तेलंगाना

आंध्रप्रदेश

- कोरापुट कायदा
- मेटल पार्क - रायगढ़
 - एगरेल पार्क - भुवनेश्वर
 - रिलेक्स
 - पॉलीस्टिक पार्क - रायगढ़
 - उरला
 - आई टी पार्क - रायगढ़
 - जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क
 - आमरसिन्धी
 - बस्ताली
 - इलेक्ट्रॉनिक पार्क
 - तुंडुआ

नवीन एकीकृत अधोसंरचना विकास केन्द्र एवं जिला

परियोजना	जिला
वनगांव	जशपुर
सेलर	विलासपुर
महुवापाली	रायगढ़
खम्हरिया	मुंगेली
मुक्ताराजा	जांजगीर-चांपा
लखनपुरी	कांकेर
महलूमकला	राजनांदगांव

आर्थिक सर्वेक्षण 2016-17, पेज-150

छत्तीसगढ़ के वृहद औद्योगिक क्षेत्र

1. दगोरी	बिलासपुर
2. लारा	रायगढ़
3. तिल्दा	रायपुर
4. सिलपहरी	बिलासपुर (प्रस्तावित)
5. गंगापुर	सरगुजा (प्रस्तावित)

[CG PSC (Pre) 2015]

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक पार्क

छत्तीसगढ़ में पार्क	जिले
1. बायोटेक पार्क	सरगुजा
2. एल्यूमिनियम पार्क	कोरबा (ग्राम-दोदरो)
3. ट्रैफिक पार्क	लगरा (बिलासपुर)
4. एपरेल पार्क	भनपुरी (रायपुर)
5. मेटल पार्क	रावांभाठा (रायपुर)
6. आई टी पार्क	नया रायपुर
7. जेम्स एण्ड ज्वेलरी पार्क	नया रायपुर
8. प्लास्टिक पार्क	तिल्दा (रायपुर), राजनांदगांव (नवीनतम ग्राम - खैरझीटी में)
9. हर्बल पार्क	बागोद (धमतरी)
10. फूड पार्क	बोरई (दुर्ग), टेडेसरा (राजनांदगांव)
11. मेगा फुड प्रोसेसिंग पार्क	बागोद (धमतरी), सरोरा एवं बेमेता (रायपुर)
12. सॉफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क	मिलाई (दुर्ग)
13. साइंस पार्क	सुकमा
14. एग्रो पार्क	बस्तर
15. इंजीनियरिंग पार्क	मिलाई (ग्राम - हथखोज)
16. जैव प्रौद्योगिकी पार्क	मुनगी ग्राम (रायपुर)
17. सांप पार्क	तपकरा (जशपुर)
18. डियर पार्क	कोटमसर नागलट्टर ग्राम (बस्तर)
19. किसान शॉपिंग मॉल	राजनांदगांव, महासमुंद (द्वितीयक)

[CG Vyapam 2016]

[CG PSC(Pre.) 2016]

छत्तीसगढ़ में औद्योगिक कॉम्प्लेक्स

छत्तीसगढ़ में कॉम्प्लेक्स	जिले
1. कोसा शिल्प कॉम्प्लेक्स	जांजगीर-धाम्पा एवं रायगढ़
2. राईसमिल कॉम्प्लेक्स	तिल्दा (रायपुर) एवं धमतरी
3. सायकल कॉम्प्लेक्स	सिलतरा (रायपुर)
4. प्लास्टिक कॉम्प्लेक्स	तिल्दा (रायपुर)
5. ड्राई पोर्ट कॉम्प्लेक्स	उरला (रायपुर)
6. स्टोन कटिंग कॉम्प्लेक्स	घोड़ारी (महासमुंद) एवं बासीन (गरियाबंद)
7. हस्तशिल्प कॉम्प्लेक्स	जगदलपुर

- नोट:- ♦ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग एवं व्यापार परिसर , नया रायपुर (यह ग्राम तूता में स्थापित किया गया है, यहां पर राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले , प्रदर्शनी, कान्फ्रेंस,सेमिनार आदि की सुविधा है।)
- ♦ टूलरूम की स्थापना , बोराई (जिला दुर्ग) में।
- ♦ स्रोत - WWW.CSIDC.in

विशेष:-

- ♦ छ.ग. राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड, कॉर्पोरेट कार्यालय रायपुर (CSIDC) का मुख्यालय - रायपुर
[CGPSC (MI)-2014
[CGPSC (MI) 2014
- ♦ छ.ग. राज्य का औद्योगिक प्रांतीय प्रधान कार्यालय - दुर्ग
- ♦ औद्योगिक रूप से सर्वाधिक विकसित जिला - दुर्ग
- ♦ प्रदेश का पहला एवं भारत का 9 वां विशेष आर्थिक प्रक्षेत्र की स्थापना रायपुर में हुई।
- ♦ वर्तमान में नवीनतम विशेष आर्थिक प्रक्षेत्र की स्थापना राजनांदगांव में की गई है।
- ♦ नवीन औद्योगिक नीति में जिलों को दो भागों में बांटा गया है।

[CG Vyapam (E. Chemist) 2014

[illegible]

उद्योग (INDUSTRY)

स्वतंत्रता पूर्व स्थापित उद्योग

- ◆ 1892 - बंगाल, नागपुर, कॉटन मिल B.N.C (राजनांदगांव)
- ◆ 1935 - मोहन जूट मिल (रायगढ़)

स्वतंत्रता पश्चात स्थापित उद्योग

- ◆ 1955 - भिलाई इस्पात संयंत्र (B.S.P) (भिलाई)
- ◆ 1965 - एसोसिएट सीमेंट कम्पनी (ACC) जामुल (दुनी)
- ◆ 1965 - भारत एल्युमिनियम कम्पनी (BALCO) संयंत्र (कोरबा) [CG PSC (RDA) - 2014]
- ◆ 1966 - वैगन रिपेयर शॉप (WRS) (रायपुर)
- ◆ 1968 - राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC) (किरंदुल, दंतवाड़ा)
(प्रथम खान 1968 किरंदुल द्वितीय 1980 बचेली)
- ◆ 1978 - राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (NTPC) (कोरबा)
- ◆ 1987 - दक्षिण पूर्व कोल फिल्ड लिमिटेड (SECL) (बिलासपुर)
- ◆ 1988 - जिंदल स्टील पॉवर लिमिटेड (O.P. JINDAL) (रायपुर)
- ◆ 2000 - मोनेट (MONET) इस्पात संयंत्र (रायगढ़)
- ◆ 2002 - एनटीपीसी (NTPC) सीपत (बिलासपुर)
- ◆ 2003 - दक्षिण-पूर्व मध्य रेल्वे जोन 16 वॉ (बिलासपुर)
- ◆ 2007 - श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह (कोरबा पूर्वी)
- ◆ 2014 - NTPC पुसौर (रायगढ़)

राज्य में उद्योगों का वर्गीकरण

खनिज आधारित (MINERAL BASED-INDUSTRY)

- ◆ लोहा आधारित
- ◆ बॉक्साइट आधारित
- ◆ चूना पत्थर / सीमेंट आधारित उद्योग
- ◆ कोयला आधारित

वन आधारित (FOREST BASED-INDUSTRY)

- ◆ कागज उद्योग
- ◆ कत्था उद्योग
- ◆ कोसा उद्योग
- ◆ रेशम उद्योग
- ◆ लाख उद्योग
- ◆ माधिस उद्योग
- ◆ सिगरेट उद्योग

कृषि आधारित (AGRICULTURE BASED-INDUSTRY)

1. बंगाल कॉटन मिल
2. जूट उद्योग
3. शक्कर कारखाना
4. मैदा उद्योग
5. चावल उद्योग
6. उर्वरक उद्योग

(A) लौह आधारित उद्योग
मिलाई इस्पात संयंत्र (मिलाई, दुर्ग)

उद्योग	स्थापना	उत्पादन	कच्चेमाल की आपूर्ति	विशेष
1. मिलाई इस्पात संयंत्र BSP (मिलाई, दुर्ग)	1955	1959	1. लौह अयस्क - दल्लीराजहरा (बालोद) 2. कोयला - कोरबा 3. कोकिंग कोयला - झरिया, बोकारो (झारखण्ड) 4. पानी - रविशंकर जलाशय (धमतरी) 5. डोलोमाइट - हिरमाईंस (बिलासपुर) 6. मैंगनीज - मलाजखण्ड (म.प्र.) 7. विद्युत - एन.टी.पी.सी. (कोरबा) 8. चूना - नंदिनी खुंदिनी (दुर्ग)	♦ किन्तु अब रावघाट से लिया जायेगा ♦ द्वितीय पंचवर्षीय योजना में रूस के सहयोग से ♦ रूस और भारत के मित्रता के प्रतीक के लिए मैत्रीबाग (मिलाई) बनाया गया ♦ मिलाई इस्पात संयंत्र के साथ राउरकेला, दुर्गापुर इस्पात संयंत्र का निर्माण किया गया था। ♦ राउरकेला इस्पात संयंत्र-जर्मनी के सहयोग से ♦ दुर्गापुर इस्पात संयंत्र - ब्रिटेन के सहयोग से ♦ मिलाई इस्पात संयंत्र - रूस के सहयोग से [CG PSC (RDA) - 2014] [CG PSC (Librarian) - 2014] ♦ 1959 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा मिलाई इस्पात संयंत्र का उद्घाटन किया गया। ♦ भारत के कुल स्टील उत्पादन का 15 प्रतिशत छ.ग. में होता है। [CG PSC (RRO, APO) - 2014] ♦ सेल (SAIL) के अधीन उपक्रम है।

राज्य के अन्य लौह इस्पात संयंत्र

1. जिंदल स्टील पॉवर लि.	- रायगढ़ (एशिया का सबसे बड़ा स्पंज आयरन कम्पनी है) [CG Vyapam (FCPR) - 2016]
2. मोनेट इस्पात संयंत्र	- रायगढ़
3. प्रकाश स्पंज आयरन	- चांपा
4. नोवा स्पंज एण्ड आयरन उद्योग	- दगोरी (बिलासपुर)
5. नगरनार इस्पात संयंत्र	- बस्तर (एन.एम.डी.सी. द्वारा 2008 से निर्माणाधीन है।)
6. एस्सार इस्पात संयंत्र	- हीरानार (बस्तर)

(B) बॉक्साइट आधारित उद्योग

उद्योग	स्थापना	उत्पादन	कच्चे माल आपूर्ति	विशेष
भारत एल्युमिनीयम कम्पनी (BALCO) कम्पनी (कोरबा)	1965	1975 से प्रारंभ	बॉक्साइट - मैनापाट (सरगुजा) (पूर्व में पुटका पहाड़ - कोरबा से) कोयला - कोरबा जल - हसदो बैराज	<ul style="list-style-type: none"> ♦ बॉक्साइट की आपूर्ति वर्तमान में मैनापाट (सरगुजा) से हो रही है। ♦ हंगरी व रूस के तकनीकी सहयोग से निर्मित है। ♦ बाल्को वर्तमान में संयुक्त क्षेत्र की कम्पनी विद्युत - एनटीपीसी (कोरबा) है क्योंकि भारत सरकार के द्वारा 2001 में 51 प्रतिशत शेयर स्टार लाईट कम्पनी को विनिवेशित कर दिया गया [CG PSC (Pre) - 2013], [CG Vyapam (ASM) - 2013]

(C) सीमेंट उद्योग

छ.ग. प्रदेश के मध्य भाग पर चूना पत्थर के भंडार हैं। इस कारण इसमें सीमेंट आधारित उद्योग पायी जाती है। मुख्यतः 7 बृहद उद्योग हैं।

1. एसोसिएट सीमेंट कम्पनी (ACC)

- छ.ग. में प्रथम सीमेंट कारखाना 1965 में एसीसी सीमेंट का जामुल दुर्ग में स्थापित किया गया है। [CG PSC (Librarian) - 2014]
- छ.ग. में सीमेंट का सार्वधिक कारखाना बलौदाबाजार है। [CG PSC (RDP, APO) - 2014]

2. लाफार्ज सीमेंट कम्पनी-I - अरसमेटा (जांजगीर-चाम्पा)

3. लाफार्ज सीमेंट कम्पनी-II - सोनाडीह (बलौदा बाजार)

[CG PSC (HORTL) 2015]

4. अल्ट्राटेक सीमेंट कम्पनी - हिरमी (बलौदा बाजार)

[CG PSC (HORTL) 2015]

5. ग्रासीम सीमेंट कम्पनी - रावन (बलौदा बाजार)

6. अंबुजा सीमेंट कम्पनी - रावन (बलौदा बाजार)

[CG PSC (HORTL) 2015]

7. बिडला सेंचुरी सीमेंट कम्पनी- बैकुंठ (रायपुर)

[CG PSC (HORTL) 2015]

नोट:- ● CCI सीमेंट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड - (I माडर रायपुर व (CCI-II) अकलतरा में है। जो वर्तमान में बंद है।

- बलौदा बाजार जिले को सीमेंट का हब केन्द्र कहा जाता है।

[CG PSC (RAD, ARO.) 2014]

(D) कोयला आधारित उद्योग

- साउथ ईस्टर्न कोल्डफील्ड लिमिटेड (SECL)

- स्थापना - 1987

- स्थान - बिलासपुर

नोट - यह कोयला उत्खनन का कार्य करता है।

राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लिमिटेड (NTPC) →

National Thermal Power Corporation Limited		
NTPC कोरबा स्थान - कोरबा स्थापना - 1978 उत्पादन - 1983 विद्युत उत्पादन क्षमता - 2600 MW	NTPC सीपत स्थान - बिलासपुर स्थापना - 2002 उत्पादन 2008 2980 MW	NTPC पुसौर (लारा) स्थान - रायगढ़ प्रस्तावित - 2014 4000 MW

- नोट:- • इस NTPC कम्पनी से पश्चिमी ग्रीड को विद्युत भेजा जाता है। (जैसे - मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, दमनदीप व दादर नागर हवेली)
 • इस NTPC कम्पनी में खनिज के रूप में कोयला का प्रयोग किया जाता है।

कृषि आधारित उद्योग

उद्योग	स्थापना	जिला	विशेष
1. BNC कॉटन मिल	1892	राजनांदगांव	♦ प्रदेश का प्रथम एवं एक मात्र जूट उद्योग।
2. मोहन जूट मिल	1935	रायगढ़	
3. शक्कर उद्योग	2003	राम्हेपुर (कवर्धा)	♦ यह राज्य का प्रथम शक्कर कारखाना है। ♦ शक्कर के सह उत्पाद में से 6 MW बिजली उत्पादन किया जा रहा है। [CG PSC (Pre) - 2008]
i. भोरमदेव शक्कर कारखाना		[CG PSC (HORTI.) 2015]	
ii. महामाया शक्कर कारखाना	21 जनवरी 2017	कैरता (सूरजपुर)	♦ अपशिष्ट से 14 मैगावाट विद्युत किया जायेगा।
iii. मां दंतेश्वरी शक्कर कारखाना		करकाभाठा (बलोद)	
iv. सरदार वल्लभ भाई पटेल शक्कर कारखाना	2017	बिसेसरा ग्राम, पंडरिया (कवर्धा)	♦ सर्वाधिक राईस मिल रायगढ़, (धमतरी) बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, में भूसे से तेल निकालने का राईस ब्रान ऑयल संयंत्र स्थापित है।
4. चावल उद्योग		रायपुर	
5. मैदा उद्योग		रायपुर	

वन आधारित उद्योग

1. रेशम उद्योग

रेशम के निम्न प्रकार छत्तीसगढ़ में प्राप्त होता है—

- ◆ टसर रेशम — बस्तर
- ◆ रैली रेशम — महानदी बेसिन
- ◆ मलबरी रेशम — सरगुजा
- ◆ ईरी रेशम — सरगुजा

[CG PSC (RRD-APO) - 2008]

नोट:— ● रेशम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए (SOIL TO SILK) परियोजना चलायी जा रही है।

- रेशमी वस्त्र कोसा के लिए चांपा रायगढ़ एवं कोरबा क्षेत्र देशभर में व्यख्यात है।

2. उर्वरक उद्योग B.E.C fertilizer (फर्टिलाइजर) — सिरगिट्टी (बिलासपुर) धरमजी मोरारजी/चिदम्बरा कैमिकल्स - कुम्हारी (दुर्ग)

3. बीड़ी उद्योग — तेंदुपत्ता से बीड़ी बनाते हैं — देश का 17% उत्पादन छ.ग. में होता है।

4. कागज उद्योग

राज्य में वनों में बांस एवं कागज के लुगदी से कागज बनाया जाता है

1. कनोई (ओरियन) पेपर मिल — देका (बिलासपुर)
2. ब्रुक बाण्ड पेपर मिल — चाम्पा
3. मध्यभारत पेपर मिल — बिरगहनी (चाम्पा)
4. हनुमान एग्री लि. — गोवरा नवापारा (रायपुर)

[CG PSC (Pre) - 2008]

5. कत्था उद्योग

- प्रदेश में कत्था उद्योग खैर वृक्ष पर आधारित है। जोकि खैरवार जनजाति द्वारा संग्रहण किया जाता है।
- राज्य का एकमात्र कत्था उद्योग सरगुजा वुड प्रोडक्ट अम्बिकापुर में संचालित है।

6. कोसा उद्योग

- कोसा के कीड़े का पालन मुख्यतः अर्जुनी, साजा, एवं साल वृक्षों में पायी जाती है।
- राज्य में बस्तर, सरगुजा, बिलासपुर, रायगढ़, चांपा में किया जाता है।

7. लाख उद्योग

- पलाश, कुसुम एवं बेर के पौधों से लाख प्राप्त किया जाता है।
- लाख का प्रयोग — चुड़ी उद्योग, वैक्स, पेन्ट, आभूषण निर्माण में
- लाख उद्योग का राज्य में मुख्य संकेन्द्रण धमतरी जिले में है।

8. पेपर ट्यूब — स्कू बोर्ड (पुट्टा) — रायगढ़ में

9. प्लाईबुड एवं लकड़ी चिराई उद्योग — इमारती लकड़ी के चीरने वाले मशीन है। (मध्य छ.ग. के जिले, सरगुजा और बस्तर)

अन्य उद्योग:-

- ◆ छ.ग. का पहला बीयर संयंत्र - दंतवाड़ा
- ◆ छ.ग. का काजू शोध केन्द्र - बस्तर
- ◆ माधिस उद्योग - बिलासपुर (छ.ग. एवं शिवाकाशी)
- ◆ ब्रिस्टल एवं पनामा सिगरेट उद्योग - रायपुर

[CG PSC (RRD-APO) 2014]

[CG PSC (RRO-APO) 2014]

[CG PSC (pre) 2014]

राज्य में स्थापित केन्द्र सरकार के औद्योगिक प्रतिष्ठान

1. भिलाई स्टील प्लांट - भिलाई(सेल के अधीन कारखाना)
2. NTPC - कोरबा एवं बिलासपुर
3. SECL - बिलासपुर (कोल इंडिया लिमिटेड के अधीन)
4. बालको (BALCO) - कोरबा
5. NMDC - दंतवाड़ा
6. वैगन रिपेयर शॉप (WRS) रायपुर
 - ◆ निर्माण - 1966 एवं 1968 से निर्माण कार्य प्रारंभ
 - ◆ रेल वैगनों, बोगियों की मरम्मत तथा सहायक पूजों की मरम्मत
7. फेरोस्क्रैप कॉरपोरेट लिमिटेड (भिलाई)
 - ◆ निर्माण - 1979 में हर्सको कॉर्पोरेशन अमेरिका के सहयोग से।
 - ◆ कार्यालय - भिलाई
 - ◆ लौह अस्सक से इस्पात निर्माण प्रक्रिया के दौरान उत्पादित अपशिष्टों के पुनः उपयोग हेतु।

स्त्रोत - छ.ग. संदर्भ 2014 जनसम्पर्क विभाग रायपुर से

8. भारत रिफेक्ट्रीज (भिलाई)
 - ◆ निर्माण - 1978, जापान के सहयोग से
 - ◆ फायरक्ले ब्रिक्स का निर्माण

छ.ग. शासन का प्रमुख आद्यौगिक नीति

- | | |
|------------------------------------|--|
| (1) ऑटोमोटिव उद्योग नीति | - 2012 (1 नवम्बर 2012 से 31 अक्टूबर 2017 तक) |
| (2) छ.ग. आद्यौगिक नीति | - (1 नवम्बर 2014 से 21 अक्टूबर 2019 तक) |
| (3) कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण नीति | - (1 नवम्बर 2016 से 21 अक्टूबर 2019 तक) |
| (4) ग्रामोद्योग नीति | - (1 नवम्बर 2016 से 21 अक्टूबर 2021 तक) |

19

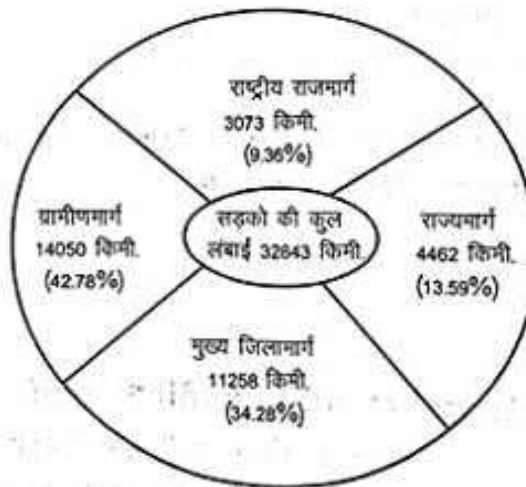
परिवहन एवं संचार

राज्य के आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए परिवहन एवं संचार एक महत्वपूर्ण अव्यव है। यह व्यक्तियों को गतिशील बनाता है, जिससे वे अपने जीवनयापन हेतु रोजी-रोटी की व्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मनोरंजन सुविधाएं प्राप्त कर सकें। बाजार के क्षेत्र में व्यापक वृद्धि हेतु सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। छ.ग. में रेल एवं वायु परिवहन की अपेक्षा सड़क परिवहन प्रमुख रूप से शामिल है। संचार माध्यमों से डाक, कूरियर, टेलिफोन (मोबाइल सहित) तथा ब्राडबैंड (इंटरनेट सहित) सेवाएं आदि प्रमुख हैं।

छ.ग. में निम्नलिखित चार परिवहन सुविधाएं हैं।

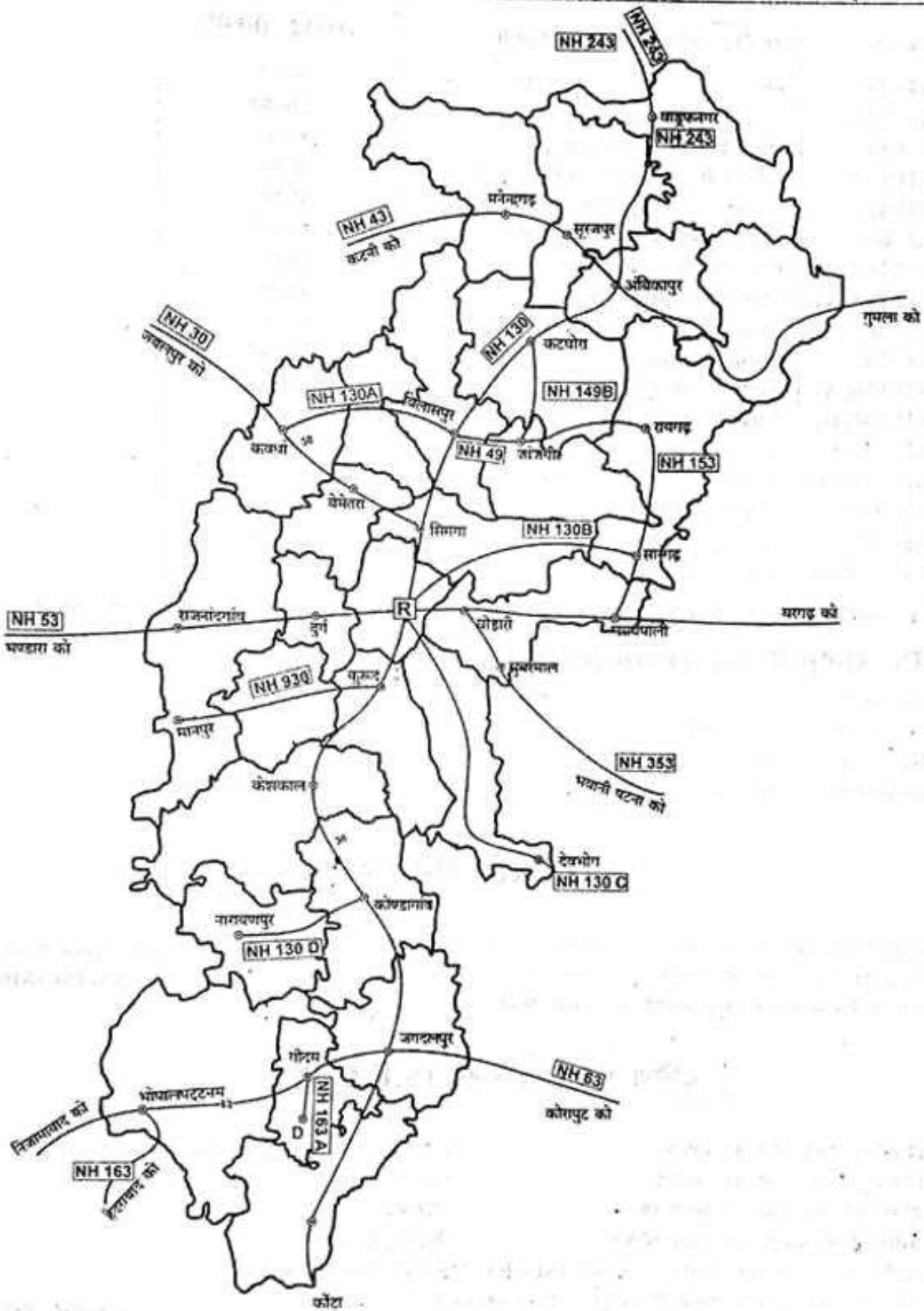
- | | |
|----------------|---------------|
| A. सड़क परिवहन | B. रेल परिवहन |
| C. वायु परिवहन | D. जल परिवहन |

(A) सड़क परिवहन



1. राष्ट्रीय राजमार्ग (National Highway)

- ♦ कुल संख्या - 17
- ♦ कुल लम्बाई - 3073 कि.मी.
- ♦ सबसे लम्बा - NH.30 (636 कि.मी.)
- ♦ सबसे छोटा - NH.163A (केवल 12 कि.मी.)



सड़क क्र	राष्ट्रीय राजमार्ग का विवरण	लम्बाई (किमी.)
1. NH.43	मनेन्द्रगढ़ - जशपुर नगर मार्ग	353.00
2. NH.243	अम्बिकापुर - रामानुजगंज मार्ग	110.00
3. NH.53	राजनांदगांव - सरायपाली मार्ग	322.00
4. NH.153	सरायपाली - रायगढ़ मार्ग	86.80
5. NH.353	घोडारी - बागबहरा मार्ग (महासमुंद)	65.60
6. NH.63	भोपालपट्टनम - जगदलपुर मार्ग	236.80
7. NH.163	भोपालपट्टनम - भद्रकाली - वारंगल	36.00
8. NH.163(A)	गीदम - दंतेवाड़ा मार्ग	12.00
9. NH.30	धिल्फी घाटी - कौटा मार्ग (सुकमा)	636.60
10. NH.130	सिमगा - अम्बिकापुर मार्ग	292.60
11. NH.130(A)	कवर्धा - बिलासपुर मार्ग	105.80
12. NH.130(B)	रायपुर - सारंगढ़ मार्ग	187.50
13. NH.130(C)	अभनपुर - देवभोग मार्ग	196.00
14. NH.130(D)	कोण्डागांव - नारायणपुर मार्ग	49.70
15. NH.930	बालोद - मानपुर मार्ग	115.40
16. NH.49	बिलासपुर - रायगढ़ मार्ग	196.60
17. NH.149(B)	चांपा - कटघोरा मार्ग	70.20

नोट:- ♦ सबसे बड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग - NH30 (636.80 किमी.) ♦ सबसे छोटी राष्ट्रीय राजमार्ग - NH163 (12.00 किमी.)

राजकीय राजमार्ग (STATE HIGHWAYS)

- ♦ कुल संख्या - 27
- ♦ कुल लम्बाई - 4462 किमी.
- ♦ सबसे लम्बा - SH 5
- ♦ सबसे छोटा - SH 14

(B) रेल परिवहन

- ♦ प्रदेश में सर्वप्रथम रेल का संचालन 27 नवम्बर 1888 में बंगाल - नागपुर के मध्य प्रारंभ हुआ। [CG Vyapam (Mandal Sam.) 2014]
- ♦ बिलासपुर रेल मण्डल की स्थापना - सन् 1900 [CG PSC (RDO.)-2014]
- ♦ छ.ग. में रेल लाईन की कुल लम्बाई - 1108 किमी.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (S.E.C.R.)

- ♦ बिलासपुर रेलवे जोन की घोषणा - सन् 1998 (भारत का 16 वां रेलवे जोन)
- ♦ बिलासपुर रेलवे जोन की स्थापना - 1 अप्रैल 2003
- ♦ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का मुख्यालय - बिलासपुर
- ♦ छत्तीसगढ़ का सबसे ऊँचा रेलवे स्टेशन - सिमलीगुड़ी (बस्तर)
- ♦ भारतीय रेल को राजस्व का एक 1/6 भाग (SECR) बिलासपुर से प्राप्त होता है।
- ♦ छ.ग. का सबसे लम्बा प्लेटफॉर्म बिलासपुर रेलवे स्टेशन का है।
- ♦ छ.ग. एक्सप्रेस बिलासपुर जंक्शन से अमृतसर जंक्शन के बीच चलती है।